राज्य सरकार को रिवीजन याचिका वापस लेने की अनुमति देने से किया इनकार

हाईकोर्ट ने एकल पट्टा मामले में अतिरिक्त दस्तावेज पेश करने के लिए समय मांगने पर नाराजगी जताई

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने एकल पट्टा प्रकरण में राज्य सरकार की ओर से मामले से जुड़े अतिरिक्त दस्तावेज पेश करने के लिए समय मांगने पर नाराजगी जताई। सीजे एमएम श्रीवास्तव ने मौखिक टिप्पणी करते हुए राज्य सरकार के एएसजी ए.वी.राजू को कहा कि एक ओर से सरकार सुप्रीम कोर्ट से मामले का जल्द निस्तारण आदेश लेकर आती है और दूसरी ओर यहां पर समय मांग रही है। जबकि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले का छह महीने में निस्तारण करने का आदेश दे रखा है।

वहीं हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को उस रिवीजन याचिका को भी फिलहाल वापस लेने की मंजूरी नहीं दी, जिसमें एसीबी कोर्ट के आरोपियों के खिलाफ दी गई अभियोजन स्वीकृति को वापस लेने से मना करने के आदेश को चुनौती दी गई है। हाईकोर्ट ने कहा कि वे इस रिवीजन याचिका को मेरिट पर तय करेंगे। वहीं अदालत ने मामले में अंतिम सुनवाई 19 मार्च को तय करते हुए राज्य सरकार को मामले से जुड़े अतिरिक्त दस्तावेज पेश करने के लिए समय दिया है। वहीं इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में प्रार्थी रहे अशोक पाठक को भी इंटर्वीनर बनने की मंजूरी देते हुए अर्जी दायर करने के लिए कहा है। इससे पहले जब अशोक पाठक ने अदालत से मामले में खुद का वकील बदलने के लिए कहा तो अदालत ने उन्हें भी फटकार लगाते हुए कहा कि केस की जल्द सुनवाई करनी है, वकील अभी तक क्यों नहीं बदला। सुनवाई के दौरान पक्षकारों के अधिवक्ता एसएस होरा ने कहा कि वे राज्य सरकार की रिवीजन का जवाब देंगे। मामले से जुड़े एएजी शिवमंगल शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार ने दो अर्जियां दायर की हैं। इनमें कहा है कि ट्रायल कोर्ट के समक्ष दायर क्लोजर रिपोर्टस अधूरी व दोषपूर्ण साक्ष्यों पर की गई जांच के आधार पर थी और इसके चलते ही पूर्व मंत्री शांति धारीवाल को बरी कर दिया था। इसकी जांच के लिए गठित हाईकोर्ट के पूर्व जस्टिस आरएस राठौड़ की कमेटी ने भी इस मामले की समीक्षा की थी और प्रारंभिक रिपोर्ट में कई गंभीर खामियां बताई थीं। ऐसे में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल करने में गंभीर चूक हुई थी, जिससे महत्वपूर्ण दस्तावेजों और ठोस सबूतों की अनदेखी की गई। इसलिए राज्य सरकार ने इन गलतियों को सुधारने व भ्रष्टाचार के आरोपों की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने का निर्णय लिया है। इसके अलावा मामले में आरोपी पूर्व आईएएस जीएस संधू, निष्काम दिवाकर और ओंकारमल सैनी के खिलाफ मुकदमा वापस लेने के प्रार्थना पत्र को खारिज करने के खिलाफ दायर निगरानी को भी वापस लेने की गुहार की है।

सौ सैनिकों ने साइकिल अभियान में भाग लिया

जयपुर में एल्बर्ट हाल पर भारतीय सेना और वायु सेना के लगभग 100 सैनिकों ने 20 किलोमीटर साइकिल अभियान में भाग लिया।

जयपुर। एल्बर्ट हाल पर भारतीय सेना और वायु सेना के लगभग 100 सैनिकों ने 20 किलोमीटर साइकिल अभियान में भाग लिया। यह आयोजन भारतीय सेना की सप्त शक्ति कमान की वॉरियर्स बटालियन द्वारा, हिंदायन एनजीओ के सहयोग से आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य शारीरिक फिटनेस और पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देना था।

मीडिया कोऑर्डिनेटर नन्दकिशोर शर्मा ने बताया कि साइकिल अभियान की शुरुआत सुबह 6:30 बजे ऐतिहासिक एल्बर्ट हॉल से शुरु हुई और यह प्रतिष्ठित पत्रिका गेट तक गया, फिर वापस एल्बर्ट हाल लौटकर सुबह 8:00 बजे सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस पहल ने भारतीय सशस्त्र बलों की फिटनेस, टीम वर्क और समुदाय से जुड़ाव की प्रतिबद्धता को मजबूत किया। इस आयोजन का समग्र समन्वय लेफ्टिनेंट कर्नल विक्रम सिंह योगी द्वारा किया गया, और इसे वॉरियर्स बटालियन की टीम ने बहुत ही सुव्यवस्थित तरीके से आयोजित किया। बटालियन की उत्कृष्ट योजना और निष्पादन क्षमताओं ने इस अभियान को सुरक्षित और सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वॉरियर्स बटालियन का साइकिल अभियान हमारी सेना के धैर्य, अनुशासन और संकल्प का प्रतीक है। हिंदायन एनजीओ के सहयोग के लिए आभारी हैं, जिन्होंने इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।"

पर्यावरण और युवा सशक्तिकरण के क्षेत्र में कार्यरत हिंदायन एनजीओ ने लॉजिस्टिक और प्रचार सहयोग प्रदान किया। भारतीय सेना और वायु सेना के साथ उनकी यह साझेदारी एक स्वस्थ और हरित भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह साइकिल अभियान न केवल फिटनेस को प्रोत्साहित करनेमें सफल रहा बल्कि नागरिकों को पर्यावरण के अनुकूल परिवहन के रूप में साइकिल चलाने के लिए भी प्रेरित किया। यह आयोजन प्रतिभागियों और दर्शकों में उत्साह और प्रेरणा जगाने में सफल रहा।

भगवान शिवजी की मातृकुंडिया में प्राण प्रतिष्ठा हम सब सनातनियों का सौभाग्य है : डॉ. पूनिया

जयपुर।अखिल मेवाड़ क्षेत्र जाट समाज महासभा संस्थान द्वारा चित्तौड़गढ़ के मातृकुण्डिया में नवनिर्मित श्री पशुपतिनाथ महादेवजी मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में भाजपा हरियाणा प्रभारी, भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने श्री पशुपतिनाथ महादेवजी मंदिर के दर्शन कर प्रदेश एवं देशवासियों के लिए उन्नित की कामना की।

> ■ 'भगवान का मंदिर जरूर बनाएं, मंदिर के साथ-साथ शिक्षा का मंदिर भी बनाएं, किसान का बच्चा आईएएस बनता है तो बहुत खुशी होती है'

अखिल मेवाड़ क्षेत्र जाट समाज महासभा संस्थान द्वारा चित्तौड़गढ़ के मातृकुण्डिया में नवनिर्मित श्री पशुपतिनाथ महादेवजी मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में भाजपा हरियाणा प्रभारी, भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया शामिल हुए।

प्राण प्रतिष्ठा समारोह में उमड़े लाखों श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुये डॉ. सतीश पूनिया ने कहा अपने आपको सौभाग्यशाली मानता हूं कि किसानों के परिश्रम की पूंजी से भगवान शिवजी की आज मातृकुंडिया में प्राण प्रतिष्ठा हुई है, यह हम सब सनातनियों का सौभाग्य है। मैं आज मातृकुंडिया की छटा देख रहा था, की किस तरीके से 36 कौम के लोग एक पंगत में और एक संगत में इस आस्था के समुद्र का आनंद ले रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया देख रही है कि प्रयागराज के महाकुंभ में 140 करोड़ के देश में करोड़ों लोगों ने आस्था की डुबकी लगाई है, पूरी दुनिया देख रही है कि इतने बड़े देश में इतनी बड़ी आबादी में, जिनकी जाति अलग है, भाषा अलग है, पहनावा अलग है, लेकिन एक हिंदुस्तानी के नाते एक श्रद्धालु के नाते आस्था के नाते, जो पूरी दुनिया को सनातन का संदेश दिया है, यही बदलता भारत है। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से लेकर तिरंगे के सम्मान से लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश का स्वाभिमान बढ़ाया है। राजस्थान में सरकार पिछले एक साल पहले बदली और पार्टी का एक सामान्य कार्यकर्ता मुख्यमंत्री बना, जिसने आम जनता की पीड़ा समझकर बदलाव का काम शुरू किया। पूनिया ने कहा कि मातृकुंडिया के इस पवित्र धार्मिक आयोजन में जहां लाखों लोग पधारे हुए हैं, लेकिन इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालु आने के बावजूद बहुत अच्छे से यज्ञ की व्यवस्था है, बहुत सुंदर तरीके से दर्शन की व्यवस्था है, बहुत अच्छी बैठने की व्यवस्था है और इसी बेहतर तरीके से पार्किंग इत्यादि सुविधा यहां सुचारू रूप से दिखाई दी, और यहां लाखों लोगों ने भगवान की प्रसादी पाई है, इस शानदार आयोजन के लिए समस्त संस्थाओं को, प्रशासन को और श्रद्धालुओं सहित आयोजन की पूरी टीम को बधाई देता हूं। मातृकुंडिया के इस ऐतिहासिक आयोजन की गूंज केवल मेवाड़ ही नहीं पूरे देश में चर्चा हो रही है। हमारी किसान कौम में पैदा हुए देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने मातृकुंडिया के इस पवित्र आयोजन के लिए केवल टेलीफोन के संदेश के जरिए ही निमंत्रण स्वीकार कर लिया और आप लोगों की श्रद्धा के कारण उपराष्ट्रपति यहां दर्शन करने पधारे।

उन्होंने कहा कि खुशी होती है जब गरीब और किसान का बेटा आईएएस और आईपीएस बनकर समाज और देश का नाम रोशन करता है, मैं चाहूंगा कि हम आस्था के साथ-साथ शिक्षा को भी तवज्जो दें, भगवान का मंदिर जरूर बनाएं, लेकिन मंदिर के साथ-साथ शिक्षा का मंदिर भी बनाएं, बच्चों की पढ़ाई पर बहुत ध्यान दें, कुरीतियों को छोड़कर समाज की मुख्यधारा में स्थान बनाने के लिए शिक्षा की हमारी नई पीढी को बहुत आवश्यकता है।

नशीला पदार्थ पिला कर दुष्कर्म

जयपुर। महेश नगर थाना इलाके मे पड़ोसी युवक द्वारा महिला से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि काम के बहाने धोखे से आरोपित पड़ोसी ने उसे घर में बुलाया और पानी में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला उसके साथ दुष्कर्म किया। इस संबंध में पीड़िता ने आरोपी पड़ोसी के खिलाफ थाने में मामला दर्ज करवाया है। यह जानकारी थानाधिकारी गुंजन सोनी ने दी।

अभिभावक बच्चों की क्षमता पहचान कर कैरियर चुनने में करें मदद : नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री की अभिनव पहल से बच्चों के सुखद भविष्य की नींव होगी सुदृढ़ : भजनलाल शर्मा

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के 8वें संस्करण में विद्यार्थियों के साथ तनाव मुक्त परीक्षा के विभिन्न पहलुओं पर बातचीत की। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी जयपुर के मानसरोवर स्थित महात्मा गांधी राजकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के साथ परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम सुना।

> ■ विद्यार्थी दूसरों से प्रतिस्पर्धा की बजाय खुद को बनाएं बेहतर : प्रधानमंत्री
>
> ■ इस कार्यक्रम से छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को होगा फायदा : दिया कुमारी

देश के विभिन्न राज्यों के विद्यार्थियों से चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री ने उनको परीक्षा के तनाव से मुक्त रहने और टाइम मैनेजमेंट के उपयोगी सुझाव दिए। प्रधानमंत्री ने बच्चों से कहा कि वे परीक्षा का तनाव महसूस न करें तथा अपने लक्ष्य निर्धारित करें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी दूसरों से प्रतिस्पर्धा करने की बजाय खुद को प्रेरित करते हुए बेहतर बनाने का प्रयास करें, क्योंकि जो खुद से स्पर्धा करता है, वह जीवन में कभी भी पीछे नहीं रहता। हमें हमारी विफलताओं से सीख लेते हुए आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि परिक्षाओं में अच्छे नंबर लाना उतना महत्वपूर्ण नहीं, जितना निरंतर ज्ञान अर्जित करना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जीवन में समय प्रबंधन बहुत महत्वपूर्ण है। विद्यार्थियों को परीक्षा के दौरान अपने अध्ययन तथा अन्य कार्यों की समय सारणी बनाकर समय का सदुपयोग करते हुए उन्हें सम्पादित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि तनाव से उबरने में ध्यान और योग बहुत उपयोगी है। नियमित योगाभ्यास से तनाव दूर होने के साथ ही कार्य क्षमता में भी वृद्धि होती है। पीएम ने बच्चों को परीक्षा में प्रश्न पत्र को हल करने संबंधी भी टिप्स दीं।

मोदी ने लीडरशिप पर बात करते हुए कहा कि एक अच्छे लीडर को खुद में सकारात्मक बदलाव कर अन्य लोगों के सामने उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए। उन्होंने कहा कि टीमवर्क, धैर्य, जरूरतमंदों की मदद और लोगों का विश्वास जीतना भी एक नेतृत्वकर्ता का महत्वपूर्ण गुण है। प्रधानमंत्री ने अभिभावकों को सलाह दी कि वे बच्चों पर अपनी महत्वकांक्षाएं थोपे बिना उनकी अभिरूचि और क्षमताओं को समझे और उनकी पसंद का कैरियर चुनने में मदद करें। श्री मोदी ने शिक्षकों से भी अपील की कि वे विद्यार्थियों की आपस में तुलना करने से बचें और संवेदनशीलता के साथ प्रत्येक विद्यार्थी की समस्याओं को दूर करने का प्रयास करें। इस दौरान उन्होंने बच्चों के साथ पोषण, आहार-विहार, मिलेट्स, पर्यावरण संरक्षण तथा एक पेड़ मां के नाम अभियान के बारे में चर्चा की। उन्होंने बच्चों के साथ वृक्षारोपण भी किया। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, जयपुर ग्रेटर नगर निगम महापौर डॉ.सौम्या गुर्जर, शासन सचिव स्कूल शिक्षा कृष्ण कुणाल, आयुक्त स्कूल शिक्षा अनुपमा जोरवाल, निदेशक माध्यमिक शिक्षा आशीष मोदी सहित शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

वहीं दूसरी ओर कार्यक्रम को लेकर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि आज परीक्षा पे चर्चा के 8वें संस्करण के दौरान प्रधानमंत्री दिल्ली के सुंदर नर्सरी में बच्चों से एक अभिभावक, मित्र और पिता की तरह मिले और बहुत ही सरल भाषा में उनके सवालों के जवाब दिए। परीक्षा पर होने वाली यह चर्चा अब देश ही नहीं, बल्कि दुनिया भर के विद्यार्थियों के बीच लोकप्रिय हो रही है। छात्र जो परीक्षा देने जाते हैं उनके मन में अलग-अलग प्रकार के दबाव होते हैं। कैसे उन्हें इस दबाव से बाहर निकाला जाए, उस दृष्टि में यह कार्यक्रम काफी मददगार होगा। इसके लिए मैं प्रधानमंत्री जी का बहुत-बहुत आभार व्यक्त करती हूं।

एल.आई.सी. का लाभ 8.27 फीसदी बढ़कर 29,138 करोड़ रुपये हो गया

जयपुर (का.सं.)। भारतीय जीवन बीमा निगम ("एलआईसी") के निदेशक मंडल ने 31 दिसम्बर को समाप्त होने वाले नौ महीनों के लिए स्टैंडअलोन और समेकित वित्तीय परिणामों को मजूरी दी और अंगीकार किया। नीचे हमारे स्टैंडअलोन परिणामों के मुख्य अंश दिए गए है।

> ■ व्यक्तिगत व्यवसाय असहभागी (नॉन पार) एपीई 106.52 फीसदी बढ़कर 6,813 करोड़ रुपये हो गया

31 दिसम्बर को समाप्त होने वाले नौ महीनों के लिए कर के बाद लाभ (पीएटी) 29,138 करोड़ रुपये था, जबकि 31 दिसम्बर 2023 को समाप्त होने वाले नौ महीनों के लिए यह 26,913 करोड़ रुपये था, जिसमें 8.27 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई है। प्रथम वर्ष की प्रीमियम आय (एफवाईपीआई) (आईआरडीएआई के अनुसार) द्वारा मापी गई बाजार हिस्सेदारी के संदर्भ में, एलआईसी 31 दिसम्बर को समाप्त नौ कहीनों के लिए 57.42 फीसदी की कुल बाजार हिस्सेदारी के साथ भारतीय जीवन बीमा व्यवसाय बाजार का अग्रणी बना हुआ है, जबकि 31 दिसम्बर 2023 को समाप्त नौ महीनों के लिए यह 58.90 फीसदी थी। 31 दिसम्बर 2024 को समाप्त नौ महीनों के लिए एलआईसी की व्यक्ति व्यवसाय में 37.21 फीसदी और समूह व्यवसाय में 71.70 फीसदी बाजार हिस्सेदारी थी। 31 दिसम्बर को समाप्त नौ महीने की अवधि के लिए कुल प्रीमियम आय 3,40,563 करोड़ रुपये थी, जबकि 31 दिसम्बर 2023 को समाप्त नौ कहीने की अवधि के लिए यह 3,22,776 करोड़ रुपये थी, यानी 5.51 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई।

31 दिसम्बर को समाप्त नौ महीने की अवधि के लिए व्यक्तिगत नव व्यवसाय प्रीमियम आय 42,441 करोड़ रुपये थी, जबकि 31 दिसम्बर 2023 को समाप्त नौ महीने की अवधि के लिए यह 38,679 करोड़ रुपये थी, यानी 9.73 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गइ। 31 दिसम्बर को समाप्त नौ महीने की अवधि के लिए व्यक्तिमतगत नवीनीकरण प्रीमियम आय 1,78,975 करोड़ रुपये थी, जबकि 31 दिसम्बर 2023 को समाप्त नौ महीने की अवधि के लिए यह 1,71,040 करोड़ रुपये थी यानी 4.64 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। 31 दिसम्बर को समाप्त नौ महीने की अवधि के लिए कुल व्यक्तिगत व्यवसाय प्रीमियम पिछले वर्ष की तुलनीय अवधि के 2,09,719 करोड़ रुपये से बढ़कर 2,21,416 करोड़ रुपये हो गया, जिसमें 5.58 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। 31 दिसम्बर 2024 को समाप्त नौ महीने की अवधि के लिए समूह व्यवसाय की कुल प्रीमियम आय 1,19,147 करोड़ रुपये थी, जबकि 31 दिसम्बर 2023 को समाप्त नौ महीने की अवधि के लिए यह 1,13,057 करोड़ रुपये थी यानी 5.39 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई।

31 दिसम्बर को समाप्त नौ महीने की अवधि के दौरान व्यक्तिगत रूप से 1,17,10,505 पॉलिसियाँ बेची गई, जबकि 31 दिसम्बर 2023 को समाप्त नौ महीने की अवधि के दौरान 1,25,56,046 पॉलिसियाँ बेची गई, यानी 6.73 की कमी दर्ज की गई।

15 वर्षीय लड़की का अपहरण

जयपुर। चित्रकूट थाना इलाके में पन्द्रह वर्षीय लड़की का अपहरण करने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि पीडिता नौकरी पर जाने के लिए घर से निकली थी। उसके बाद वापस घर नहीं लौटने पर गुम होने का पता चला। थाने में नाबालिग लड़की की मां ने अपहरण का मामला दर्ज करवाया है।

जांच एएसआई शोभाग्य सिंह ने बताया कि चित्रकूट नगर के डीसीएम की रहने वाली महिला ने मामला दर्ज करवाया है कि वह परिवार के साथ रहती है और उसकी पन्द्रह वर्षीय बेटी का अपहरण हुआ है। आठ फरवरी को सुबह उनकी बेटी नौकरी पर जाने की कहकर घर से निकली थी।

दो कारों की भिड़ंत में मां और दो बेटियों की मौत

जयपुर। जयपुर ग्रामीण जिले के किशनगढ़-रेनवाल थाना इलाके में सोमवार की सुबह दो कारों की आमने-सामने की टक्कर में मां और दो बेटियों की मौत हो गई। जबकि अन्य तीन लोग घायल हैं। बताया जा रहा है कि हादसे के बाद बाद कार में बुरी तरह से लोग फंस गए थे, जिन्हें निकालने के लिए पुलिस को कडी मशक्कत करनी पड़ी। वहीं हादसे के बाद हाईवे पर जाम लग गया। क्रेन की मदद से क्षितग्रस्त गाड़ियों को हटाया गया। जिसके बाद यातायात सुचारु हो सका। हादसा चौमूं-रेनवाल स्टेट हाईवे पर सोमवार सुबह करीब पौने नौ बजे हुआ था।

थानाधिकारी देवेंद्र चावला ने बताया कि किशनगढ़ रेनवाल पंचायत समिति के ग्राम पंचायत मलिकपुर के बाबूलाल यादव अपने परिवार के साथ सोमवार सुबह निकले थे। ये लोग इंडिगो कार से हरमाड़ा के दादर बावड़ी स्थित जगजीवन महाराज के यहां जा रहे थे। इसी दौरान हरसोली ईंट भट्टों के पास सामने से आ रही सीकर नम्बर की इनोवा कार से जबरदस्त भिड़ंत हो गई। इंडिगो गाड़ी में सवार बाबूलाल यादव की पत्नी जमना देवी (48) एवं उनकी बेटी शिमला (20) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं कार में सवार बाबूलाल यादव, उसका बेटा सुनील और दो बेटियां राजू व लक्ष्मी घायल हो गए। इलाज के दौरान लक्ष्मी (26) ने भी दम तोड़ दिया। घायल बाबूलाल,सुनील और राजू को रेनवाल अस्पताल से चौमूं के बराला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति निलम्बित

जयपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने आदेश जारी कर जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति प्रो. के.एल. श्रीवास्तव को कुलपति पद से तत्काल प्रभाव से निलम्बित किया हैं।

राज्यपाल ने संभागीय आयुक्त, जोधपुर की जांच रिपोर्ट के आधार पर उन्हें निलंबित किया है। जांच रिपोर्ट में प्रो. श्रीवास्तव के विरूद्ध पद का दुरूपयोग करने, राज कार्य में लापरवाही बरतने व विश्वविद्यालय को वित्तीय हानि पहुंचाने के गंभीर आरोप प्रथम दृष्टया प्रमाणित पाए गए। उल्लेखनीय है कि प्रो. श्रीवास्तव के खिलाफ जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय अधिनियम, 1962 (यथा संशोधित) की धारा 10(2) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए 3 दिसंबर 2024 के द्वारा संभागीय आयुक्त, जोधपुर की अध्यक्षता में जांच समिति का गठन किया गया था। इसमें वह दोषी पाए गए। राज्यपाल ने इस पर अधिनियम, 1962 (यथा संशोधित) की धारा 11क की उप-धारा (1) का प्रयोग कर उन्हें निलम्बित किया है।

सामाजिक उत्थान के लिए चलाई जा रही योजनाओं से पात्र लाभार्थी वंचित ना रहे, अपात्र का चयन ना हो : अविनाश गहलोत

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि सामाजिक उत्थान के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं से कोई भी पात्र लाभार्थी वंचित ना रहे और अपात्र का चयन ना हो। उन्होंने कहा कि लाभार्थियों को तय समय सीमा में योजनाओं का लाभ मिले और संबंधित प्रकरणों से जुडी समस्याओं का तुरंत निस्तारण हो यही अधिकारियों का लक्ष्य होना चाहिए।

गहलोत ने सोमवार को प्रदेश के सभी प्रशाखा प्रभारी अधिकारी एवं जिलाधिकारियों के साथ राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक में यह बात कही। उन्होंने कहा कि अधिकारी पेंशन और छात्रवृति से जुडे सभी प्रकरणों को प्राथमिकता से लें। उन्होंने अधिकारियों को ग्राम पंचायत स्तर में कैंप लगाकर पेंशन का वार्षिक भौतिक सत्यापन करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 31 मार्च तक 95 फीसद से अधिक वार्षिक सत्यापन करने वाले अधिकारियों को सम्मानित और पुरस्कृत भी किया जाएगा। गहलोत ने कहा कि पिछले वित्तीय वर्ष में विभाग को जितना बजट आवंटित हुआ था, इसमें से 85 प्रतिशत की राशि विभिन्न योजनाओं पर खर्च की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि शेष बची राशि को भी आगामी 2 महीनों में खर्च कर ली जाएगी।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने विभाग जिलावार समीक्षा बैठक ली।

सामाजिक न्याय मंत्री ने कहा किनशा मुक्तसमाज का निर्माण ही केंद्र और राज्य सरकार की प्राथमिकता है। अधिकारी इस अभियान कोजन जागरण अभियान के रूप में चलाकर पुनीत काम कर सकते हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना का ज्यादा से ज्यादा प्रचार प्रसार, छात्रावासों का नियमित निरीक्षण, लंबित भुगतान में गति लाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को15दिन में एक बार वृद्धाश्रम और डे केयर सेंटर का निरीक्षण करने के भी निर्देश दिए।

गहलोत ने बैठक के दौरान मुख्यमंत्री आयुष्मान बाल संबल योजना, छात्रावास योजना, स्वावलंबन पोर्टल, उत्तर मैट्रिक छात्रवृति, डॉ सविता अंबेडकर अंतरजातीय विवाह, मुख्यमंत्री घुमंतू आवास योजना, गाड्डिया लोहारों को कच्चा माल क्रय हेतु सहायता, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाएं, सामाजिक सुरक्षा निवेश प्रोत्साहन योजना, नवजीवन योजना, आंबेडकर डीबीटी वाउचर योजना,पालनहार योजना,मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, आवासीय विद्यालय योजना, देवनारायण छात्रा स्कूटी वितरण एवं प्रोत्साहन योजना,वृद्ध कल्याण, मुख्यमंत्री पुनर्वास गृह,नशामुक्त भारत सहित विभिन्न योजनाओं के बारे में चर्चा कर इनमें गति लाने के निर्देश दिए।

> ■ मैराथन बैठक में अधिकारियों को दिए जरूरी दिशा निर्देश

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रयासों से समाज के पिछडे वर्ग को समाज की मुख्य धारा में लाया जा रहा है। ऐसे में सभी अधिकारी अपने अपने स्तर पर जिम्मेदारी से काम करते हुए कार्य संपादित करें।

अतिरिक्त मुख्य सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता कुलदीप रांका ने कहा कि विभाग का80का फीसदी बजट सामाजिक उत्थान के लिए पेंशन प्रकरणों में जाता है। उन्होंने अधिकारियों को नियमित रूप से ग्राम सभाओं में जाकर पेंशन से जुडी समस्याओं का निस्तारण करवाने का मैकेनिज्म तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से विभिन्न प्रकरणों में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं को भी जाना।

निदेशक बचनेश अग्रवाल ने मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना का ज्यादा से ज्यादा प्रचार प्रसार करते हुए शैक्षिणक संस्थाओं को जोड़कर विद्यार्थियों को लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को विभाग द्वारा संचालित अन्य सामाजिक योजनाओं से संबंधित दिशा निर्देश भी दिए।

इस अवसर पर राजस्थान अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष राजेंद्र नायक,अतिरिक्त निदेशक केसरलाल मीना, सुमन पंवार, अनुजा निगम के प्रबंध निदेशक वीरेंद्र सिंह सहित अधिकारी और कार्मिक मौजूद रहे।

कमिश्नर आज करेंगे जनसुनवाई

जयपुर। आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय कायम रखने के लिए जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ 11 फरवरी को सुबह 11 बजे से शाम 2 से तक पुलिस थाना महेशनगर में जन सुनवाई करेंगे। जनसुनवाई के दौरान अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (अपराध) कुँवर राष्ट्रदीप, पुलिस उपायुक्त दक्षिण दिगंत आनंद, पूर्व तेजस्विनी गौतम, पश्चिम अमित कुमार, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त दक्षिण, पूर्व, पश्चिम, सहायक पुलिस आयुक्त सोडाला, मानसरोवर, वैशालीनगर, मालवीयनगर एवं संबंधित एसएचओ और थाने के अधिकारी उपस्थित रहेंगे।